वर्ष-3, अंक-33
इन्दौर, गुरुवार
02 जनवरी 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश सरकार निरंतर अपनी सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाईन करना चाहती है। डिजिटाइजेशन के माध्यम से सभी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने, विभागों का समन्वय बढ़ाने और जन कल्याण की गति तेज करने में आसानी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी डिजिटाइजेशन के अभियान को आज के युग में पारदर्शिता की दृष्टि से और कार्यों की तत्परता की दृष्टि से आवश्यक मानते हैं। यह सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से ई-ऑफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ करते हुए कहा कि अनेक जन हितैषी कार्यक्रमों, गरीब, महिला, किसान और युवा वर्ग के कल्याण को फोकस करते हुए मध्यप्रदेश सरकार डिजिटाइजेशन के माध्यम से आगे बढ़ना चाहती है। मुख्यमंत्री

कार्यालय सहित मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने भी मुख्य सचिव कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली में कार्य प्रारंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा की कि आम जनता को ई-ऑफिस से राहत मिलेगी। विभिन्न विभागों द्वारा 1 जनवरी 2025 से समस्त नस्तियों को ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे विभागों के कार्य प्रचलित नस्तियों के स्थान पर ही ई-ऑफिस के माध्यम से होंगे। इसके लिए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया गया है। इस प्रणाली का शीघ्र ही समस्त विभागों द्वारा क्रियान्वयन हो, इस उद्देश्य से विभाग प्रक्रिया पूर्ण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-ऑफिस प्रणाली की शुरूआत के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और अमले को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। ई-ऑफिस प्रणाली के शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के जलगांव में भड़की हिंसा, कर्फ्यू

दो गुटों के बीच हुआ पथराव

महाराष्ट्र (एजेंसी)।

जलगांव जिले में मामूली सी बात को लेकर 31 दिसदंबर की रात दो समुदाय आमने-सामने हो गए। घटना महायुति सरकार के मंत्री और शिवसेना नेता गुलाबराव पाटिल के गांव पालधी की है।

बताया जा रहा है कि कार की टक्कर एवं हॉर्न बजाने को लेकर मामला बिगड़ गया। कार में मंत्री पाटिल की पत्नी सवार थीं। जानकारी के मुताबिक मंत्री की पत्नी की कार से एक युवक को टक्कर लग गई थी। कार के ड्राइवर ने हॉर्न भी बजाया था। इससे एक वर्ग के लोग भड़क गए। ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी भी हुई। इस घटना के बाद दोनों समुदाय आमने-सामने हो गए। उपद्रवियों ने पथराव किया और

6 दुकानों और 6 कारों को आग के हवाले कर दिया। आगजनी और पथराव की घटना के बाद भारी पुलिस फोर्स तैनात करना पड़ा। साथ ही कल यानी बृहस्पतिवार सुबह तक कर्फ्यू लगा दिया गया। फिलहाल स्थिति शांतपूर्ण है बताई जा रही है। घटना के वक्त शिवसेना नेता गुलाबराव पाटिल की पत्नी अपनी कार से जा रही थीं। गांव के एक युवक को उनकी कार से धक्का लग गया। इसके बाद वहां बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई और पथराव शुरू कर दिया।

मणिपुर के पश्चिमी इंफाल में मिलिटेंट अटैक

हथियारबंद उग्रवादियों ने फायरिंग की, बम भी फेंके

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के एक गांव पर उग्रवादियों के हमले की बात सामने आई है. पुलिस के मुताबिक संदिग्ध उग्रवादियों ने मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के कदंगबंद इलाके में बुधवार सुबह-सुबह हमला किया.

उन्होंने कंगपोकपी जिले में अपने पहाड़ी ठिकानों से अत्याधुनिक हथियारों से कई राउंड फायरिंग की और इंफाल पश्चिम जिले के निचले इलाके कदंगबंद इलाके में रात करीब 1 बजे बम फेंके. पुलिस के मुताबिक इलाके में तैनात गांव के स्वयंसेवकों ने उग्रवादियों के हमले के बाद जवाबी फायरिंग की. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया. पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में किसी के घायल होने की खबर नहीं है.

लखनऊ के होटल में परिवार के 5 लोगों की हत्या

बेटे के साथ बाप ने पत्नी और 4 बेटियों को मारा

लखनऊ (एजेंसी)।

लखनऊ के एक होटल में 24 साल के अरशद ने अपनी मां और चार बहनों को बेरहमी से मार डाला. इस हत्याकांड में अरशद के पिता बदर ने भी उसका साथ दिया. नए साल पर हुई दिल दहलाने वाली इस वारदात से हर कोई सकते में है. वहीं, सुबह-सुबह जब पांच हत्याओं की खबर पुलिस को मिली तो महकमे में हड़कंप मच गया. आला अधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए. फिलहाल, आरोपी अरशद को गिरफ्तार कर लिया गया है. जबकि, उसका पिता बदर अभी फरार बताया जा रहा है. पूछताछ में अरशद ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. साथ ही उसने अपना एक वीडियो भी रिलीज किया है. दरअसल, गिरफ्तार हत्यारोपी अरशद आगरा जिले के कुबेरपुर का रहने वाला है. वह बीते दिनों अपने परिवार को लेकर पहले अजमेर गया फिर लखनऊ लाकर सभी को होटल शरनजीत में ठहराया. परिवार के कुल सात लोग इस होटल के रूम नंबर- 109 में 30 दिसंबर से रुके हुए थे.

पुलिस का बयान

मामले में डीसीपी रवीना त्यागी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. पूछताछ की जा रही है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया? वहीं, फील्ड यूनिट को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई है. विस्तृत जांच एवं अग्रिम विधिक कार्रवाई चल रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है.

अरशद ने बताई हत्याकांड की वजह

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी अरशद ने अपनी चार बहनों और मां की हत्या करने की घटना को कुबूल करते हुए बताया कि आगरा में उसके मोहल्ले वाले परिवार को परेशान कर रहे थे. अरशद को डर था कि अगर उसे कुछ हो गया तो मां और बहनों का क्या होगा? इसलिए इसने उनको मार देने का फैसला किया. इसके लिए अरशद परिवार को पहले अजमेर लेकर गया फिर लखनऊ लाकर सभी को होटल में रुकवाया. रात में खाना-पीना हुआ और फिर कत्लेआम मचा दिया. अरशद ने किसी के मुंह पर कपड़ा डालकर दुपट्टे से गला दबा दिया तो किसी की कलाई की नस ब्लेड से काट दी. इस काम में उसके पिता ने भी मदद की. हत्या करने के बाद उसने पिता को रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया और स्वयं थाने पहुंचकर घटना की सूचना दी. अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल ब्लेड व दुपट्टा बरामद कर लिया गया है. फिलहाल, पुलिस द्वारा आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है. बताया जा रहा है कि देर रात बदर और अरशद नए साल के जश्न के लिए खाने-पीने का सामान बाहर से लेकर आए थे. ड्रिंक करने की बात भी सामने आ रही है. पार्टी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया. सुबह जब कमरे का दरवाजा खुला तो 5 लाशें देखकर लोगों के होश उड़ गए.

सेना ने पैंगोंग लेक पर स्थापित की शिवाजी की प्रतिमा

श्रीनगर, (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के तट पर 14,300 फीट की ऊंचाई पर छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस प्रतिमा का अनावरण 26 दिसंबर को किया गया था। अब इसको लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ स्थानीय नेताओं ने इस पर सवाल उठाए हैं। प्रतिमा का उद्घाटन मराठा लाइट इन्फैंट्री के अधिकारियों ने किया था। लद्दाख स्थित 14 कोर या फायर एंड फ्यूरी कोर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वीरता, दृष्टि और अटूट न्याय के विशाल प्रतीक शिवाजी। प्रतिमा का उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला, जीओसी फायर एंड फ्यूरी कोर और मराठा लाइट इन्फैंट्री के कर्नल ने किया था। मीडिया रिपोर्ट में लेह के चुशुल क्षेत्र के पार्षद और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी परिषद (लेह) के सदस्य खोंचक स्टैंजिन ने प्रतिमा की स्थापना पर असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि वह एक स्थानीय निवासी के रूप में मुझे पैंगोंग में शिवाजी की प्रतिमा के बारे में अपनी चिंताओं को व्यक्त करना चाहिए था। यह प्रतिमा स्थानीय इनपुट के बिना ही लगाई गई है। उन्होंने अद्वितीय पर्यावरण और वन्यजीवों के लिए इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति पर 43 करोड़ का जुर्माना

अमेरिका की एक अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप पर यौन शोषण के मामले में दोष मुक्त करने के लिए 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। जो भारतीय मुद्रा में लगभग 43 करोड रुपए होता है। कुछ दिनों के बाद ही अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले डोनाल्ड ट्रंप पर संघीय अदालत ने मानहानि और यौन शोषण के आरोप में मुआवजे के रूप में यह आदेश जारी किया है। 1996 में एक स्टोर की ड्रेसिंग रूम में यह यौन अपराध हुआ था। ट्रंप ने आरोप से इनकार किया था, उन्होंने मुकदमे में भाग नहीं लिया। अदालत ने इस मामले में 712 करोड रुपए का मुआवजा पीड़िता को देने का आदेश दिया था। इस निर्णय के बाद अमेरिका और भारत की न्यायपालिका को लेकर सारी दुनिया में चर्चा होने लगी है। अमेरिका में अदालतें सरकार और राजनीति से दूर रहते हुए अपने स्वतंत्र निर्णय करने के लिए आज भी स्वतंत्र हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद भी अमेरिका की अदालत में सबूतों और गवाहों के आधार पर यह निर्णय किया है। अमेरिका का राष्ट्रपति दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्रपति होता है। न्याय के मामले में अमेरिका के न्यायालय कोई भेदभाव नहीं करती हैं। जिसके कारण अमेरिका की न्यायपालिका पहले भी सर्वोच्च थी, आज भी सर्वोच्चता के साथ सारी दुनिया में अपना स्थान बनाकर रखा है। भारतीय न्यायपालिका संविधान में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, नागरिकों के संवैधानिक मौलिक अधिकार एवं सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार फैसला करने के लिए सारी दुनिया में जानी जाती थी। तत्कालीन सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में जाकर अपनी गवाही देनी पड़ी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके चुनाव को अवैध घोषित किया था। जिसकी अपील सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ शर्तों के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को मान्य किया। भारतीय न्यायपालिका और न्यायाधीशों की साख को सारी दुनिया के देशों में बढ़ाया था। न्यायपालिका को संविधान ने सर्वोच्चतम स्थान दिया है। विधायिका और कार्यपालिका द्वारा बनाए गए नियम एवं कानून तथा संविधान प्रदत नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व, भारतीय न्यायपालिका पर है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय न्यायपालिका न्यायप्रियता के लिए सारी दुनिया में जानी जाती थी। न्यायपालिका ने स्वतंत्रता के 6 दशक बाद तक, न्याय के मामले में सरकार का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया। जिसके कारण नागरिकों को न्यायपालिका पर हमेशा विश्वास रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय न्यायपालिका पर आम आदमी को वह विश्वास नहीं रहा, जो पहले हुआ करता था। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका सरकार और सत्ता में बैठे हुए लोगों के साथ विशेष बर्ताव कर रही है। न्यायपालिका में आम आदमियों के लिए अलग कानून और खास आदमियों के लिए अलग कानूनी व्याख्या देखने को मिलने लगी है। भारतीय न्यायपालिका द्वारा जो आदेश दिए जाते हैं, उनका पालन विधायिका और कार्यपालिका द्वारा नहीं किया जा रहा हैं। इसके बाद भी न्यायपालिका कोई कार्यवाही नहीं करती है। अब सरकार के खिलाफ समन जारी करने से भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट कोताही बरतने लगी है। जिससे सीधा संदेश जाता है, न्यायपालिका के ऊपर सरकार का दबाव है। 2014 के पहले की तत्कालीन सरकार के खिलाफ न्यायपालिका का अलग रुख था। 2014 से लेकर अभी तक न्यायपालिका का रुख पूरी तरह से बदला हुआ है।

सही अर्थ

अखबार के पहले पन्ने पर एक समाचार कुछ इस तरह प्रकाशित हुआ था. पंजाब पुलिस ने 5 करोड रुपए के ड्रग्स पकड़े. एक किशोर ने यह समाचार देखा तो उसके मन में एक अलग किस्म का प्रश्न आया. उसने अपने पिता से पूछा, पापा, ड्रग्स 5 करोड रुपए के थे. ऐसा लिखना ड्रग्स के व्यापारियों के लिए सही हो सकता है. मगर क्या हमारे लिए ऐसा

लिखना ठीक प्रतीत होता है ?

पिता ने हैरानी से पूछा कि तुम कहना क्या चाहते हो ? बेटे ने कहा, पापा, पुलिस या प्रेस यह क्यों नहीं लिखती कि 5 लाख युवा जीवन बर्बाद करने वाला जहर बरामद किया गया..? पिता ने कहा, हां बेटा, तुम बिल्कुल ठीक फरमा रहे हो. जहर का मूल्य कभी भी पैसे में नहीं हो सकता. उनका मूल्य हमेशा जीवन के रूप में आंकना चाहिए. लेकिन मैं एक बात अलग से जोड़ना चाहूंगा. अपराधी जो हथियार खरीदते हैं उनका भी मूल्य पैसे में न होकर जीवन के रूप में होना चाहिए. जब उनसे हथियार बरामद होते हैं तो वहां भी पुलिस अथवा प्रेस को उनका मूल्य जीवन के रूप में दिखाना चाहिए ना कि पैसे के रूप में. बेटे ने इस बात के लिए सहमति में सर हिलाया. तभी वहां माँ आई और उन्होंने कहा, क्या आप लोगों ने यह समाचार पढ़ा कि एक स्कूल

ने 50 हज़ार की किताबें बेच दी..?

बेटे ने तुरंत सुधार करते हुए कहा, नहीं माँ, उन्होंने शिक्षा बेच दी..!

ज्ञानदेव मुकेश
पटना

एक भीखारी की आत्मकथा

कहानी

उस भीखारी से यह मेरी पहली मुलाकात नहीं थी, इसके पहले भी हम दो बार मिल चुके थे। अपने ही हाथों से उसे दो बार भीख भी दे चुके थे। एक बार एक कटोरा चावल और दूसरी बार पांच रूपए दिये थे। कारण घर में ताला लगा हुआ था और मेरे पास दूसरी चाभी नहीं थी। घर से उसका निराश खाली हाथ लौटना मुझे अच्छा नहीं लगा था ?। हां तब उसके बारे कुछ पता भी नहीं था।

आज फिर वही अचानक चार बजे भोर घर के बाहर मिल गया। गाय बैलों को खूंटे से बांध, उनके सामने पुआल डाल दिया और मैं खुद आग जला कर हाथ पैर सेंकने लगा था। तभी वह आग के आगे भूत की तरह आकर खड़ा हो गया।

अगहन महीना से ठंडा काफी बढ़ जाता है..! कहते कहते अलाव से थोड़ी दूर वह बैठ गया था।

हां, यही अगहन पुस माह का महीना तो है जो ठंड का असली रूप दिखाता है। अमीरी गरीबी का फर्क बताता है- पहचान कराता है। एक ठंड ही जो किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है और सबको समान रूप से ठंड बांटता है ।

मैंने उसकी तरफ देखा। देह पर मात्र एक फटा पुराना कुर्ता, पैरों में पुरानी फटी चप्पल और अपनी कांपती देह पर एक फटी चादर उसने ऊपर से ओढ़ रखी थी। तथा कंधे पर एक मटमैला सा झोला टांग रखा था।

आप आग तापिये, मै अभी आया..! कह मैं अंदर गया और एक पुरानी स्वेटर लाकर उसे देकर कहा इसे पहन लीजिए, ठंड से बचने में मदद मिलेगी, ऊन की है ।

बहुत मेहरबानी बाबू जी..!

वैसे आज इतनी भोर भोर कुकुआते ठंड में कहां चल दिया..? मैंने पूछ बैठा था। गुंजरडीह के झूलन मोदी के घर में रात था। घर की औरतें आधी रात को ही कोयला लाने जाने के लिए कदकदाने लगी थी। मुझे भी

उठ कर जाने को कह दिया। रात का पता न चला, निकल कर सीधे इधर आ गया..!

पर इतनी भोर जाओगे कहां ? इतनी सबेरे कोई भीख भी नहीं देंगे..!

पहले के श्रबनिया पंडा लोग चार बजे भोर हमारे घरों से भीख मांग ले जाते थे, आपने भी देखा होगा शायद, हम तो गाँव घर के है ।

फिर भी इतनी सबेरे, जाओगे कहां ?

पहले मझलीटांड जाऊंगा, वहां से परतापुर और फिर बिरनी होते हुए घर..!

घर में कौन कौन है ?

बेटा है, पुतोहू है और एक पोता और एक पोती भी..! दो बेटियां थी, दोनों की शादी कर दी.!

घर में पूरा परिवार है फिर भी भीख मांगते फिरते हो..!

हमारा परिवार मेरी पत्नी थी, पिछले साल उसकी मृत्यु हो गई। घर में जो परिवार है वो मेरे बेटे का परिवार है और उन लोगों ने हमें घर से निकाल दिया है..!

ऐसा क्यों..?

अब कमा जो नहीं पाता..!

आपका नाम क्या है..?

राम प्रसाद..!

पूरा नाम..!

राम प्रसाद मोहली..!

घर..!

चडरी..!

आप तो टोकरी, खंचिया, सुप-दाऊरी बना कर भी इज्जत की जिंदगी जी सकते थे, पहले बनाता ही होगा, शरीर से भी ठीक ठाक हो, यह कामचोरी कहां से आई..?

उसने अपने दोनों हाथ आगे बढा दिए ?। दोनों हाथों की दर्सों के दर्सों अंगुलियाँ सिकुड़ कर मुड़ गयी थीं ?।

ओह ! तो यह बात है ?। दो बार मैंने आपको भीख दी है, पर कभी हाथ की अंगुलियों पर ध्यान नहीं गया ! सचमुच दुख हुआ..! राशनकार्ड से आपको गेहूँ चावल तो मिलते होंगे..? आग में लकड़ी डालते हुए फिर मैने पूछा -, उससे आपका अकेले का तो गुजारा हो जाता..!

पुतोहू ने राशन कार्ड छीन ली है..!

बेटा से बोलता..!

आज की बहुओं के आगे बेटों की कहां चलती है बाबू..!

खेती बारी तो कर सकते थे..?

छह बूढों की बाईस एकड़ जमीन है, लेकिन सब बेकार- परती पडी है, जब से सरकार ने राशनकार्ड से अनाज देना शुरू किया है, गाँव में लोग खेती बारी करना ही छोड़ दिया है ..!

और बेटा क्या करता है..?

बैंक से लोन में पैसा लिया और मोटरसाइकिल खरीद ली, अब उसका कर्जा भरने के लिए गाँव में इसके उसके घर में पचोडा सचोडा करते फिरता है..!

पुस्तैनी धंधा, टोकरी खंचिया बना कर भी वह पैसे कमा सकता था। बाजार में हाथ के बने समान आज भी बहुत महंगी दामों में बिकते हैं..!

आज के लड़के खेती बारी और पुस्तैनी धंधे को बड़ी गिरी हुई नजरों से देखते हैं, बेटा को हमने कई बार कहा लेकिन उसका एक ही जवाब होता है..!

- इस धंधे में अब कुछ नहीं रखा है, क्या कहूं बाबू, एक समय था जब तेलो हटिया में रामप्रसाद मोहली के हाथों बनी सूप दोरी और टोकरी खंचिया को लोग खोज खोज कर लेते थे । कुछ तो घर आकर खरीद ले जाते थे। आज हर आदमी अपने अपने पुस्तैनी धंधों से दूर होते जा रहा है। किसान खेत से दूर हो रहा है। कुम्हार चाक चलाना छोड़ रहा है। लोहार लोह्र गलाना छोड़ दिया। हर आदमी अपनी वृति से मुंह मोड़ रहा है । हाथ ने मुझे भी लाचार कर दिया है, क्या करूँ, भीख मांगता फिरता हूँ..! कहते कहते उसकी आंखें भर आई थीं । इसी के साथ वह उठ गया था चलता हूँ बाबू, जाने में घंटा भर लग जाएगा..! और वह चला गया था । मैं देर तक यही सोचता रहा कि इस मुफ्त की राशन ने कितनों को निकम्मा बना दिया है..?

श्यामल बिहारी महतो
बोकारो, झारखंड
फोन नंबर 6204131994

व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....

साल के पहले दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ नए साल के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मारुति सुजुकी सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल से आया है। आज सुबह कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही बाजार में खरीददारी बढ़ने से तेजी आने लगी। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.40 अंक करीब 0.47 फीसदी ऊपर आकर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी बढ़कर 23,742.90 अंक पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 23 शेयरों में तेजी रही जबकि 7 शेयर नीचे आये। इनमें से मारुति सुजुकी का शेयर 3.26 फीसदी की बंपर उछाल के साथ 11221.20 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मारुति के अलावा

महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टूबो, बजाज फानइंस, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के 37 शेयर लाभ में रहे, जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टूबो, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं। जिन कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे, उनमें हिंडाल्को, डॉ रेड्डीज, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी और टाटा स्टील शामिल हैं। वहीं एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो नए साल के अवसर पर जापान के निक्केई 225, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कोई कामकाज नहीं हुआ। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे वहीं इससे पहले बाजार की नये साल के पहले दिन सुबह मिली-जुली शुरुआत हुई। सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 126 अंकों के लाभ के साथ ही 78265 के लेवल पर खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 23621 पर खुला है। कारोबार के दौरान बजाज ऑटो, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डी, जेएसडब्ल्यू स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर नीचे आये हैं जबकि अपोलो हॉस्पिटल, अडानी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, एलएंडटी के शेयर उछले हैं। गिफ्ट निफ्टी टुडे गिफ्ट निफ्टी 23,733 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद से लगभग 72 अंकों की गिरावट है, जो भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा था।

2025 से पैदा होने वाली पीढ़ी को कहा जाएगा जेनरेशन बीटा

जेनरेशन बीटा के बच्चे बड़े होकर ऐसी दुनिया में रहने वाले हैं, जहां गाड़ियां खुद चलेंगी, हमारी सेहत का ख्याल रखने के लिए खास तरह के कपड़े और हम कंप्यूटर से बनी दुनिया में घूम सकते है।

इंदौर। दुनिया में हर कुछ समय बाद नई पीढ़ी आती है। इन पीढ़ियों को अलग-अलग नाम मिलते हैं ताकि उनके बारे में बात करना आसान हो। जैसे कि आपने जनरेशन जी या फिर अल्फा जेनरेशन के बारे में सुना होगा। अब ठीक उसी तरह, साल 2025 से पैदा होने वाली पीढ़ी को जेनरेशन बीटा कहा जा रहा है। दरअसल जेनरेशन बीटा एक नई पीढ़ी है जो अब नए साल के साथ शुरू हो रही है। यह नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि इसके पहले अल्फा नाम की पीढ़ी थी। यह नामकरण का एक तरीका है जिससे हमें पता चलता है कि इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हो रही है।

मिलेनियल्स और जेन जेड जैसे शब्दों के बारे में आपने खूब सुना होगा। ये शब्द अलग-अलग पीढ़ियों के लोगों को दर्शाते हैं। इसी कड़ी में अब एक नई पीढ़ी आ रही है इस जेन बीटा कहा जा रहा है। ये वे लोग हैं जो 2025 से 2039 के बीच पैदा होने है। जेन बीटा के पहले जेन अल्फा (2010-2024 में पैदा हुए) और उसके पहले जेन जेड (1997-2012 में पैदा हुए) आए थे। ये नाम देने का एक तरीका है। जैसे-जैसे समय बदलता है, नई पीढ़ी आती है और उन्हें अलग नाम दिए जाते हैं। जेन अल्फा से शुरू करके, लोगों ने ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों का इस्तेमाल करके इन पीढ़ियों के नाम रखने शुरू किए। जेन अल्फा के बाद जेन बीटा आया और आगे भी इसी तरह के नाम दिए जाएंगे। साल 2025 में जिन बच्चों का जन्म होगा, उन्हें हम बीटा किड्स कहा जाएगा। ये बच्चे उस समय में बड़े हो रहे हैं जब तकनीक हर जगह एक बड़ा रोल प्ले कर रही है। जैसे पहले लोग किताबें पढ़ते थे, लेकिन अब बच्चों से लेकर बड़े तक, सब कुछ स्मार्टफोन पर करते हैं। अनुमान है कि जेनरेशन बीटा के बच्चे बड़े होकर ऐसी दुनिया में रहने वाले हैं, जहां गाड़ियां खुद चलेंगी, हमारी सेहत का ख्याल रखने के लिए खास तरह के कपड़े और हम कंप्यूटर से बनी दुनिया में घूम सकते है। यानी, ये बच्चे एक ऐसी दुनिया में रहने वाले हैं, जहां तकनीकी हमारी जिंदगी का बहुत बड़ा हिस्सा होगी। जनरेशन अल्फा स्मार्टफोन, कंप्यूटर और रोबोट जैसे स्मार्ट डिवाइस के साथ बड़ी हो रही है, लेकिन जो बच्चे साल 2025 में पैदा होंगे, उनके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीनें हर जगह होंगी। जैसे आज हम मोबाइल फोन के बिना नहीं रह सकते, वैसे ही भविष्य में एआई और मशीनें हमारी लाइफ का खास हिस्सा होंगी। यह नई टेक्नोलॉजी हमारे पढ़ने, काम करने, खेलने और यहां तक कि बीमार होने पर भी हमारी मदद करेगी, जैसे कि धरती का तापमान बढ़ना, शहरों का बहुत बड़ा होना और दुनियाभर में लोगों की जनसंख्या बढ़ना। इन समस्याओं से निपटने के लिए जेन बीटा को बहुत होशियार और मिलनसार होना होगा। उन्हें इन बदलावों के साथ खुद को ढालना सीखना होगा और दूसरों की मदद करना भी सीखना होगा। यानी जेन बीटा के पास बहुत सारी सुविधाएं होंगी लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना होगा। उन्हें इन चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

हास्य-योग से गुलजार हो उठी गुलाबी नगरी जयपुर

इंदौर। नए साल की पूर्व बेला में राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर प्रसन्नता एवं मुस्कुराहट की तरंगों एवं हास्य- योग के गगन-भेदी ठहाकों से गुलजार हो उठी! प्रसंग था योग के क्षेत्र में जयपुर के विख्यात योग पीस संस्थान में आयोजित हास्य- योग के अनूठे समारोह का, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हास्य-योग महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता इंदौर से पधारे थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता योग पीस संस्थान जयपुर के सुप्रसिद्ध योगाचार्य ढाका राम सपकोटा ने की।

संस्थापक अध्यक्ष गुप्ता ने मानव जीवन के लिए हास्य योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए बताया गया कि हास्य योग की क्रियाएं एक तरफ मनुष्य के तन को पुलकित, मन को प्रफुल्लित एवं चित्त को आल्हादित करती हैं वहीं दूसरी ओर शरीर को स्वस्थ, चुस्त- दुरुस्त, एक्टिव, डायनेमिक एवं स्मार्ट बनाती है। साथ ही पॉजिटिविटी एवं इम्यूनिटी पावर बढ़ाते हुए लाइफ स्टाइल को उन्नत करती हैं। गुप्ता के द्वारा मानव हेतु हास्य योग की लाभकारी एवं चमत्कारिक क्रियाओं का जीवंत प्रशिक्षणात्मक प्रदर्शन (लाइव डेमो) भी किया गया, जिसमें भारी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने अत्यंत उत्साह एवं रुचि के साथ भाग लेकर पूरे विशाल परिसर को प्रसन्नता एवं मुस्कुराहट की खुशनुमा तरंगों एवं हैप्पी न्यू ईयर के स्वागत में हास्य- योग के गगन भेदी वेलकम ठहाकों से गूंजायमान कर दिया। इस अवसर पर गुप्ता द्वारा एक अनब्रेकेबल फाउंटेन लाफ्टर योग की एक अनूठी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं में प्रतिभा एवं जूही तथा पुरुषों में गौरव एवं गगन को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। शिवम भानुप्रताप, विमलजीत, कुणाल , राम, यश, देव तथा रविंद्र एवं महिलाओं में अनामिका, रितु, अरुणा, वंदना, अंजलि तथा आरती का प्रदर्शन भी अत्यधिक प्रेरणाप्रद एवं सराहनीय रहा। योग पीस संस्थान के संस्थापक एवं संचालक ढाका राम सपकोटा ने बताया कि परमपिता परमेश्वर द्वारा केवल मानवमात्र को ही नवाजी गई हास्य योग की अमृत विद्या का जन-जन द्वारा अधिक से अधिक उपयोग करते हुए इसका लाभ लेना चाहिए। उपरोक्त जानकारी विश्व हास्य योग महासंघ के प्रचार समन्वयक अजय गुप्ता एवं योग पीस संस्थान जयपुर के मीडिया प्रभारी श्रवण कुमार द्वारा दी गई।

डाक टिकटों का संसार

पारस वीर सदी के जियो और जीने दो के मंगल संदेश के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम विराजमान हुए हृदय में

इंदौर (ओम पाटोदी) डाक टिकटों का अपनी एक अलग ही दुनिया होती है, यह एक ऐसी अद्भुत दुनिया है जहां हमें अलग अलग विधाओं का समागम एक ही जगह मिल जाती है। भारतीय डाक विभाग डाक टिकटों के माध्यम से जो सूचनाएं प्रदान करता है वे विश्वसनीय तो होती ही है साथ ही उतनी ही रोचक और ज्ञानवर्धक भी होती है।

उक्त जानकारी देते हुए डाक टिकट संग्राहक ओम पाटोदी ने बताया कि डाक टिकटों के हिसाब से वर्ष 2024 ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष रहा। इस वर्ष डाक विभाग द्वारा 50से अधिक डाक टिकट जारी किए जिसमें इस वर्ष हमने रामलला को उनकी जन्म भूमि में विराजमान करने की प्रसन्नता छः महत्वपूर्ण टिकटों के साथ व्यक्त की एवं राम को हृदय में बसाने का संदेश दिया, तो वहीं सत्य अहिंसा के संदेश को विश्व शांति के लिए जन-जन में प्रसारित करने वाले भगवान महावीर स्वामी जी का 2550वां निर्वाण कल्याणक एवं भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी जी 2800वां निर्वाण कल्याणक, 2900वां जन्म कल्याणक वर्ष के डाक टिकटों के माध्यम से विश्व को संदेश दिया कि किसी समस्या का हल युद्ध कभी नहीं होगा विश्व शांति करूणा दया प्रेम सौहार्द भाईचारा कायम करने से ही होगी विश्व कि सभी समस्याओं का हल महावीर के अनेकांत दर्शन में छुपा है। साथ ही साथ खेलों के महाकुंभ ओलम्पिक खेल, संगीत, ऐतिहासिक स्मारकों, महापुरुषों, साहित्य, संस्कृति, सहकारीता, प्रजातंत्र के अहम स्तंभो का भी स्मरण बखूबी से किया गया।

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश

और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

इंदौर। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्प्लीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

लेखन में उग्रता होने के कारण वो उग्र कहलाये

इंदौर। श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर में कालजयी पुण्य स्मरण श्रृंखला का 93वाँ पुष्प पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' को समर्पित किया गया। सामाजिक विषमताओं पर बेबाक ढंग से लिखने और स्वतंत्रता प्रेमी होने से अंग्रेजों के खिलाफ लेखन में आवाज की उग्रता के कारण पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र साहित्यकार के रूप में जाने जाते थे। उनका जीवन परिचय देते हुए प्रचारमंत्री हरेराम वाजपेयी ने बताया कि उग्रजी कवि, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार और श्रेष्ठ प्रतिभा सम्पन्न पत्रकार थे। इनके समकक्ष मित्रों में सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, जयशंकर प्रसाद, शिव पूजन सहाय, विनोद शंकर व्यास और प्रेमचंद आदि थे। 'प्रिय प्रवास' की शैली में अपनी किशोरावस्था में ही इन्होंने 'ध्रुव चरित' नामक प्रबंध काव्य की रचना कर मौलिक प्रतिभावान साहित्यकार के रूप में प्रसिद्धि पायी थी। इन्होंने अनेक पत्र-पत्रिकाओं का जिसमें - आज, मतवाला, संग्राम, हिन्दी पंच के सम्पादन के साथ श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर से प्रकाशित होने वाली 'वीणा' पत्रिका के सह-सम्पादक के रूप में भी कार्य किया। उनके संबंध में डॉ. दीप्ति गुप्ता ने कहा कि साहित्यकार की पहचान उसके लेखन से होती है उग्रजी उसी श्रेणी के साहित्यकार रहे। उन्होंने उनकी कहानी 'मूर्खा' का वाचन भी किया। श्री मोहन रावल ने उनकी लिखित 'उसकी माँ' कहानी पर विचार व्यक्त किये और बताया अंग्रेजों ने उनकी कई कहानियाँ और साहित्य को जब्त भी किया था। श्री अरविन्द जोशी ने उनके कई अनछुये पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रेमचंद से तुलना, साहित्य के माध्यम से अंग्रेजों के खिलाफ उठाने के कारण जेल यात्रा, बेचन नाम क्यों पड़ा आदि बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। वाणी जोशी ने उनके लेखन पर बातें कीं। निलेश प्रजापति ने उन्हें सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ लिखने वाला साहित्यकार बताया। श्री लक्ष्मीनारायण 'उग्र' ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री व्ही.डी. ज्ञानी ने उनकी कविता 'रुपया बोलता है' के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उग्र द्वारा किये गये प्रहारों पर चर्चा की। 'वीणा' पत्रिका को उनके द्वारा दिये गये सहयोग को याद किया और कहा कि आज मैं इस कार्यक्रम में आकर आनंद का अनुभव कर रहा हूँ। अंत में आभार परीक्षा मंत्री श्री उमेश पारीख ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सर्वश्री नयन राठी, प्रबंधमंत्री घनश्याम यादव, पुस्तकालय मंत्री अरविन्द ओझा, श्याम सिंह, अमर सिंह मानावत, नागेश जोशी, सुरेश प्रजापति, प्रकाश जैन, हिमेश राणा आदि उपस्थित थे। 29 दिसम्बर 1900 को जन्में एवं 23 मार्च 1967 को इस संसार से विदा लेने वाले साहित्यकार के चित्र का अनावरण भी किया गया।

मप्र की ड्रोन पॉलिसी इस महीने जारी होगी

ड्रोन की शिक्षा और प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को मिलेगा स्टाइपेंड

इंदौर। मप्र सरकार जल्द ही ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर अपनी नीति को अंतिम रूप देने जा रही है। जनवरी के पहले हफ्ते में ड्रोन पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद सभी स्टेकहोल्डर्स से सुझाव लेकर जनवरी के अंत तक ड्रोन पॉलिसी को आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। राज्य सरकार ने हाल ही में ड्रोन एक्सपर्ट्स से बातचीत की थी, जिसमें उनसे ड्राफ्ट पर विचार-विमर्श कर सुझाव मांगे गए थे। इस नीति के तहत ड्रोन की शिक्षा और प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को 8000-10000 रुपए तक की स्टाइपेंड राशि दी जाएगी। इसके अलावा, ड्रोन लैब बनाने वालों को सरकारी फंडिंग मिलेगी और ड्रोन से जुड़े स्टार्टअप को भी सरकार मदद करेगी।

राज्य सरकार का उद्देश्य इस नीति के माध्यम से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करना और ड्रोन तकनीक का उपयोग सरकारी कार्यों और खेती जैसे क्षेत्रों में बढ़ाना है। जनवरी के अंत तक पालिसी लाने की योजना है। हाल ही में सरकार ने ड्रोन एक्सपर्ट्स से सुझाव लिए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मप्र को कर्नाटक की तर्ज पर अपनी ड्रोन नीति तैयार करनी चाहिए। कर्नाटक ने हाल ही में लैंड मैपिंग, सर्वे और इंस्पेक्शन के लिए ड्रोन का उपयोग शुरू किया है, जिसे मप्र भी अपने प्रशासनिक कार्यों में लागू कर सकता है। कर्नाटक ने पिछले साल देश का सबसे बड़ा 68000 वर्ग किमी लैंड मैपिंग का कॉन्ट्रैक्ट ड्रोन कंपनियों को दिया था। साथ ही मैपिंग, कृषि, डिफेंस जैसे क्षेत्रों के लिए ड्रोन उत्पादन पर कर्नाटक काम कर रहा है, वहीं गेमिंग और शौक के लिए उपयोग करने वालों के लिए भी ड्रोन बन रहे हैं। रिसर्च - डेवलपमेंट के लिए लैब बन रही हैं।

रेत खनन की निगरानी में हो रहा है ड्रोन का उपयोग

वर्तमान में सड़क निर्माण, जल संसाधन सर्वे, हेरिटेज साइट सर्वे, माइनिंग निगरानी, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन मॉनिटरिंग, कृषि में फसल नुकसान सर्वे, प्रॉपर्टी डाटा संग्रहण, फारेस्ट सर्वे जैसे 13 क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक का उपयोग हो रहा है। माइनिंग में ड्रोन से निगरानी हो रही है कि कितनी रेत ठेकेदार ने इकट्ठा की या कितने क्षेत्र में खनन किया। मार्च में राज्य आजीविका मिशन के तहत नमो दीदी ड्रोन योजना शुरू हुई। ग्रामीण महिलाएं खेतों में कीटनाशक और उर्वरक छिड़काव का काम कर रही हैं।

ड्रोन स्किल्ड युवा और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर

सरकार का फोकस है कि युवा ड्रोन चलना - बनाना सीखें और रोजगार से जुड़ें। स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि सरकारी -निजी क्षेत्र के काम इन्हें मिलें। ट्रैफिक, कानून व्यवस्था और अपराधियों पर कार्रवाई जैसे मामलों में ड्रोन तकनीक की मदद ली जाए। सरकारी प्रोजेक्ट की निगरानी और नए प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाने में तकनीक उपयोग हो। बाहर की कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करें। रोजगार बढ़ें।

करणी सेना भारत का रक्तदान शिविर आयोजित

इन्दौर एम वाय अस्पताल में करणी सेना भारत एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में राजपूत समाजजन उपस्थित रहे। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम एवं करणी सेना भारत के जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह गौर के नेतृत्व में ये शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर से संदेश दिया कि रक्तदान महादान से किसी भी जरूरतमंद तक रक्त आसानी से पहुंचा सकते है।

(उज्जैन) पंवासी मल्टी के आस पास स्वास्थ्य अमले ने किया विशेष सफाई का कार्य

उज्जैन। आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 अन्तर्गत शासकीय सम्पत्तियों की साफ सफाई के क्रम में मंगलवार को पंवासा मल्टी के आस पास विशेष सफाई का कार्य करते हुए नालियों एवं चेम्बर की साफ सफाई का कार्य किया जाकर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।

दूसरे के नाम पर सिम कार्ड खरीदने वालों पर सख्ती

इंदौर। केंद्र सरकार ने किसी दूसरे के नाम पर सिम कार्ड खरीदने वालों पर सख्ती कर दी है। सरकार की ओर से ऐसे यूजर्स की एक लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसे अपराध के दायरे में रखा जाएगा। इसके बाद अगर कोई दूसरे के दस्तावेज पर सिम कार्ड खरीदता है, तो उसके सिम कार्ड को 6 माह से लेकर 3 साल तक ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। साथ ही ऐसा करने वाले यूजर्स दोबारा कभी सिम कार्ड नहीं खरीद पाएंगे। रिपोर्ट की मानें, तो दूसरे के दस्तावेज पर सिम कार्ड खरीदने वालों को साइबर सिक्योरिटी के लिए खतरा माना जाएगा। दूससंचार विभाग की ओर से फ्रॉड सिम कार्ड खरीदने वालों की लिस्ट बनाने की शुरुआत कर दी गई है।

साइबर सिक्योरिटी रूल्स के मुताबिक सरकार ने रिपोजिटरी ऑफ पर्सन बनाने का प्रस्ताव रखा है। सरकार की ओर से पहले व्यक्तियों को नोटिस जारी की जाएगी। इसके बाद व्यक्ति को मामले में 7 दिनों के अंदर जवाब देना होगा। सरकार की ओर से

जनहित में बिना नोटिस के कार्रवाई करने का आदेश है। ऐसे में बिना पूर्व सूचना के आपके सिम कार्ड को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। बता दें कि नए टेलिकॉम एक्ट में साइबर सिक्योरिटी रूल्स को नोटिफाई कर दिया गया है। इसी साल नवंबर में नए नियम को जोड़ा गया गया है। देश में डिजिटल अरेस्ट के मामले में तेज ग्रोथ दर्ज की गई है। गृह मंत्रालय की डिजिटल अरेस्ट के मामले में एक्शन के मूड में आ चुका है। मंत्रालय ने आम लोगों को फ्रॉड से बचाने की सलाह दी है। साथ ही सरकार की ओर से मोबाइल कॉलर टोन की मदद से अलर्ट नोटिफिकेशन दिया जा रहा है, जिससे देश में लोगों को डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले से बचाया जा सके। दरअसल देश में कई लोग आपको सीबीआई या किसी अन्य सरकारी अधिकारी बनकर कॉल करते हैं। इसके बाद आपको किसी में मामले में फंसने और फिर उससे बचाने के बदले में मोटी रकम ले लेते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार फर्जी सिम कार्ड के मामले में एक्शन के मूड में आ चुकी है। सरकार की ओर से इस मामले में टेलिकॉम कंपनियों जैसे जियो, एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और बीएसएनएल के पेंच कसने की शुरुआत हो चुकी है।

नगर निगम द्वारा वार्ड वार बकाया वसूली शिविरो का आयोजन

जवाहर नगर अम्बे माता मंदिर पर आज से लगेगा बकाया वसूली शिविर

रतलाम। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगम से संबंधीत करों को जमा कराने हेतु वार्ड वार बकाया वसूली शिविर 30 दिसम्बर से आयोजित किये गये है जो 5 मार्च 2025 तक चलेंगे। आयोजित शिविरों में नागरिक नगर निगम की बकाया संपत्तिकर, जलकर की बकाया राशि जमा करा सकेगें।

वार्ड वार आयोजित किये गये वसूली शिविरो के वार्ड क्रमांक 3 व 4 के लिये 2 से 3 जनवरी तक अम्बेमाता मंदिर जवाहर नगर, वार्ड क्रमांक 4 व 5 के लिये 4 व 6 जनवरी तक विनोबा नगर पानी की टंकी के पास, वार्ड क्रमांक 5, 6 व 7 के लिये 7 से 8 जनवरी तक अलकापुरी कम्युनिटी हॉल, वार्ड क्रमांक 8 व 9 के लिये 9 जनवरी को कोमल नगर, वार्ड क्रमांक 8 व 9 के लिये 10 जनवरी को मार्निंग स्टार स्कूल के पास, वार्ड क्रमांक 8 व 9 के लिये 11 जनवरी को राजबाग गार्डन, वार्ड क्रमांक 10 के लिये 13 जनवरी को 80 फीट रोड, वार्ड क्रमांक 11 के लिये 14 जनवरी को प्रियदर्शनी नगर, वार्ड क्रमांक 12 व 13 के लिये 15 से 16 जनवरी तक कस्तुरबा नगर मुख्य मार्ग, वार्ड क्रमांक 11 के लिये 17 जनवरी को सिंधी कॉलोनी सामुदायिक भवन, वार्ड क्रमांक 11 के लिये 18 जनवरी को डोंगरे नगर, वार्ड क्रमांक 46, 47 व 48 के लिये 20 जनवरी को हाट रोड माताजी का मंदिर, वार्ड क्रमांक 14 व 46 के लिये 21 से 22 जनवरी तक काटजू नगर मेहरा नर्सिंग होम, वार्ड क्रमांक 47 व 48 के लिये 23 जनवरी को वेदव्यास कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 16 व 19 के लिये 24 जनवरी को राजेन्द्र नगर मुख्य मार्ग, वार्ड क्रमांक 18 व 19 के लिये 25 जनवरी को टाटा नगर, वार्ड क्रमांक 16 के लिये 27 जनवरी को कलीमी कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 19 व 20 के लिये 28 से 29 जनवरी तक दीनदयाल नगर, वार्ड क्रमांक 21 व 22 के लिये 30 जनवरी को कल्याण नगर, वार्ड क्रमांक 38 व 39 के लिये 31 जनवरी व 1 फरवरी को बोहरा बाखल, वार्ड क्रमांक 22 व 23 के लिये 3 फरवरी को रामगढ़, वार्ड क्रमांक 43 व 44 के लिये 4 से 5 फरवरी तक लक्कड़पीठा प्याउ के पास, वार्ड क्रमांक 47 व 48 के लिये 6 से 7 फरवरी तक आर्य समाज मंदिर धानमण्डी, वार्ड क्रमांक 39 के लिये 10 फरवरी को जूनी कोर्ट किरण टॉकिज, वार्ड क्रमांक 24 व 25 के लिये 11 फरवरी को चौगानिया भैरू मंदिर, वार्ड क्रमांक 26, 39 व 40 के लिये 13 फरवरी को पैलेस रोड, वार्ड क्रमांक 24, 25, 42 व 43 के लिये 14 फरवरी को शिक्षा विभाग सायर चबुतरा, वार्ड क्रमांक 23, 24 व 25 के लिये 15 फरवरी को करमदी रोड अमलतास गेट के पास, वार्ड क्रमांक 42, 43 व 45 के लिये 17 से 18 फरवरी तक चौमुखीपुल, वार्ड क्रमांक 40 व 41 के लिये 19 से 20 फरवरी तक बजाज खाना गणेश देवरी, वार्ड क्रमांक 33 व 34 के लिये 21 से 22 फरवरी तक शास्त्री नगर, वार्ड क्रमांक 32, 33 व 35 के लिये 24 से 25 फरवरी तक दो बत्ती चौराहा, वार्ड क्रमांक 32 व 35 के लिये 27 से 28 फरवरी तक स्टेशन रोड दिलबहार चौराहा, वार्ड क्रमांक 29, 30, 35, 36 व 38 के लिये 1 मार्च को लॉ कॉलेज आनन्द कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 27, 28 व 29 के लिये 3 मार्च को प्रताप नगर उद्यान के पास, वार्ड क्रमांक 29 व 30 के लिये 4 मार्च को महावीर नगर तथा वार्ड क्रमांक 30 व 31 के लिये 5 मार्च 2025 को मिड टाउन कॉलोनी में कार्यालयीन समय में शिविर आयोजित किये गये है।

निगम द्वारा जारी अपील में नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि निगम द्वारा उक्त शिविर बकायादारों की सुविधा के लिए आयोजित किये गये है इन आयोजित शिविरों में बकायादार अपनी बकाया राशि जमा कर निगम को सहयोग प्रदान करें।

इप्का प्रबंधक एवं श्रम अधिकारी को संयुक्त श्रम संगठनों ने 35 सूत्रीय मांग पत्र दिया

रतलाम। इप्का लेबोरेट्री लिमिटेड कम्पनी के चार श्रम संगठनों इप्का फार्मा एवं केमिकल्स श्रमिक कर्मचारी कामगार संघ (शिवसेना), केमिकल वर्कस युनियन (एटक), इप्का फार्मा एवं केमिकल्स श्रमिक संघ (बीएमएस) ड्रग्स एंड केमिकल्स श्रमिक कर्मचारी संघ (इंटक) ने इप्का के श्रमिकों के लिए 35 सुत्रीय मांग पत्र इप्का प्रबंधक और श्रम अधिकारी को दिया गया, जिसमें मूल वेतन में बीस हजार रुपए की वृद्धि, महंगाई भत्ता पांच रुपए प्रति पांइट, घोषित त्यौहार पर उपस्थित होने वाले श्रमिकों को तीन गुना वेतन, उत्पादन बोनस छह हजार रुपए प्रतिवर्ष, शिक्षा भत्ते में दस हजार रुपए की वृद्धि, बीस हजार रुपए आपात सहायता, अनाज क्रय करने हेतु बीस हजार एडवांस, मेडिकल, शिक्षा एवं मकान हेतु दो लाख रुपए का लोन, नो त्यौहार के अवकाश को बढ़ा कर पन्द्रह करना, उपस्थिति बोनस में तीन सौ रुपए प्रतिमाह, शिफ्ट एलाउंस सेकंड शिफ्ट 50 एवं थर्ड शिफ्ट सौ रूपए, प्रतिवर्ष तीन हजार रुपए रेन कोट एलाउंस, बोनस त्यौहारी भत्ता पांच हजार रुपए, अनुकम्पा नियुक्ति, श्रमिक की मृत्यु होने पर दस लाख रुपए उसके परिवार को देने, दिपावली की मिठाई हेतु एक हजार रुपए का कूपन करने, सहित कुल 35 मांगों का मांग पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर इप्का फार्मा एवं केमिकल्स श्रमिक कर्मचारी कामगार संघ (शिवसेना) संरक्षक एवं कामगार सेना प्रदेश अध्यक्ष जनक नागल, इप्का फार्मा एवं केमिकल्स श्रमिक संघ बीएमएस के संरक्षक श्याम मनोहर यादव, दिलिप मेहता, ड्रग्स एवं केमिकल्स श्रमिक कर्मचारी कामगार संघ इंटक के संरक्षक भंवर सिंह चौहान, केमिकल्स वर्कस युनियन के संरक्षक अश्विनी शर्मा और शिवसेना युनियन के अध्यक्ष अध्यक्ष ओमप्रकाश धीमान, महासचिव लखन मालवीय, बीएमएस युनियन के अध्यक्ष कैलाश परमार एवं महासचिव गोपाल बेलदार, इंटक के अध्यक्ष प्रभाशंकर शर्मा, एवं प्रधानमंत्री जसपाल सिंह पंवार, एटक के अध्यक्ष लाखन सिंह रधुवंशी एवं महामंत्री कैलाश पुरोहित सहित युनियन पदाधिकारी एवं श्रमिक कर्मचारी उपस्थित थे।

अश्वनी कुमार रतलाम मंडल के नये मंडल रेल प्रबंधक

रतलाम। अश्वनी कुमार ने 01 जनवरी, 2025 को पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के 54वें मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। अश्वनी कुमार, भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) 1996 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। आपकी प्रारंभिक नियुक्ति पूर्व रेलवे में हुई तथा पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे व उत्तर रेलवे में परिचालन, वाणिज्य, विजिलेंस एवं संरक्षा विभाग के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। रेलवे बोर्ड में प्लानिंग व विजिलेंस में पदस्थ होकर कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ ही दिल्ली मेट्रो एवं क्रिस(सीआरआईएस) में महाप्रबंधक के पद को भी सुशोभित किया। आपने आईआईटी दिल्ली से बी.टेक की स्नातक उपाधि एवं आईआईएम बेंगलूरू से मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी में पोस्ट ग्रेजुएशन की है। इसके साथ ही आपने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर एंड मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एमआईटी यूएसए) से अर्बन ट्रांसपोर्टेशन में पीएचडी की उपाधि ली है।

नए साल के जश्न पर रही पुलिस की सख्ती

लोगों ने भक्तिभाव के साथ किया नववर्ष का स्वागत, मंदिरों में देर रात तक हुए भजन

रतलाम। नए साल के जश्न पर पुलिस की सख्ती रही। रात 11 बजे तक सारी दुकानें बंद हो गई। इसके पहले पुलिस के सभी अधिकारी बल के साथ शहर में घूमते दिखाई दिए। हालांकि रतलाम में नए साल के जश्न को लेकर कोई बड़ा आयोजन नहीं हुआ। लेकिन देवालयों में धार्मिक आयोजनों के साथ कॉलोनीवासियों ने भजनों पर झूम कर नए साल का स्वागत किया, आतिशबाजी की। ऐसे में रतलाम में किसी तरह का माहौल नजर नहीं आया। वहीं कुछ लोगों ने रात 12 बजते ही आतिशबाजी कर नए साल का स्वागत कर हैप्पी न्यू ईयर कहा।

शहर के मित्र निवास रोड स्थित गीता मंदिर, कोमल नगर स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर समेत अन्य देव स्थलों पर सुंदरकांड, भजन कीर्तन समेत अन्य धार्मिक आयोजन हुए। भजनों पर श्रद्धालुओं ने झूम कर भक्तिभाव के साथ नए साल का स्वागत किया। शहर के नगर निगम तिराहा स्थित श्री मेहंदीकुई बालाजी मंदिर में भी साल के अंतिम दिन बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए देर रात तक पहुंचे। कई लोगों ने अपने फॉर्म हाउस में अपने परिवार और दोस्तों के साथ पहुंच नए साल का जश्न मनाया।

चौराहों पर तैनात रही पुलिस

शहर के प्रमुख चौराहों पर रात में पुलिस तैनात रही। पुलिस ने रास्तों पर बैरिकेडिंग कर चेकिंग की। टू व्हीलर और फोर व्हीलर वाहनों को रोककर चेक किया गया। अधिकारियों से लेकर पुलिसकर्मी सड़कों पर तैनात दिखे।

अधिकारी फोर्स के साथ निकले

नए साल के जश्न के पहले ट्रेनी आईपीएस के साथ प्रभारी एएसपी अजय सारवान, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, एसडीओपी किशोर पाटनवाला, शहर के स्टेशन रोड थाना प्रभारी स्वराज डाबी, माणकचौक थाना टीआई सुरेश गडरिया, डीडी नगर थाना टीआई रविंद्र दंडोतिया व औद्योगिक थाना प्रभारी वीडी जोशी बल के साथ पूरे शहर में घूमे। सीएसपी व अन्य अधिकारी चीता फोर्स के साथ सबसे आगे बाइक पर सवार हुए। शहर में जगह खड़े युवाओं को समझाइश देकर घर भेजा। एसपी अमित कुमार भी लगातार शहर में घूमते रहे।

कालिका माता परिसर में नव वर्ष के उपलक्ष में अखिलेश्वर महादेव मंदिर द्वारा की भजन संध्या

रतलाम। बुधवार को कालिका माता मंदिर में श्री अखिलेश्वर महादेव महिला मंडल (रेलवे कॉलोनी) द्वारा नव वर्ष भजन संध्या का आयोजन किया गया। जो लगभग 3 घंटे चला। जिसका समय दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक रहा। इसमें ज्यादातर वे महिला है जो रेलवे से रिटायर हैं पिछले 35 वर्षों से नव वर्ष प्रत्येक 1 जनवरी को भजनो का आयोजन किया जाता है। इसमें महिलाएं स्वयं भजन करती है अंगना में पधारो महारानी....जैसे भजन किये गये तथा महिलाओं ने झूम कर मंदिर परिसर में नृत्य किया इसमें आज कालिका माता मंदिर पर संगीत में भजन मंडली द्वारा किया गया। श्री कालिका माता सेवा मंडल ट्रस्ट के दिनेश वाधेला ने बताया कि जो भी सुविधा उन्हें आवश्यक होती है हर वर्ष ट्रस्ट में उपलब्ध कराई जाती है आज के इस आयोजन महिला मंडल प्रमुख स्तभ 90 वर्षीय श्रीमती विमला वाघेला, वर्तमान संचालक कोकिला ओझा, राजू प्रजापति,पूनम वाधेला, श्यामा वाघेला, माला पाडे, सीमा, राजकुमारी,मधु,संध्या आदि महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी। उक्त जानकारी समिति की कोकिला ओझा ने दी।

पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी पहुंचे नगर निगम

कमिश्नर को कहा- पब्लिसिटी के लिए नहीं आया, चुनाव भी नहीं लडना; सुधार नहीं हुआ तो अनशन पर बैठूंगा

रतलाम। शहर में बनी सीमेंट क्रांकीट सड़कों की दुर्दशा को लेकर एक बार फिर पूर्व मंत्री व भाजपा नेता हिम्मत कोठारी बुधवार शाम को नगर निगम पहुंचे। कमिश्नर हिमांशु भट्ट को कहा कि दो माह पूर्व भी आया था। अभी तक आपने क्या एक्शन लिया। मैं यहां फोटो खिंचाने, पब्लिसिटी के लिए नहीं आया हूं। नहीं मुझे चुनाव लडना है। जनता का पैसा लग रहा है। उसका सदुपयोग होना चाहिए। सुधार नहीं होता है तो आमरण अनशन पर बैठूंगा। दरअसल, रतलाम शहर में कई क्षेत्रों में सीमेंट क्रांकीट की सड़कें बनी है, लेकिन समय से पहले ही वह उखड़ गई हैं। सड़कों से गिट्टी व पत्थर निकल रहे हैं। दो माह पूर्व हिम्मत कोठारी ने अपने समर्थकों के साथ नगर निगम पहुंच कर सड़कों की दुर्दशा पर नाराजगी जताई थी। कमिश्नर को सुधार करने को कहा था, लेकिन दो माह बाद भी नगर निगम के जिम्मेदार उस ओर ध्यान नहीं दे पाए। तब वह बुधवार शाम पूर्व निगम अध्यक्ष दिनेश पोरवाल, भाजपा नेता अशोक चौटाला, दिनेश राठौड़, यतेंद्र भारद्वाज आदि के साथ नगर निगम पहुंचे।

सीमेंट क्रांकीट की रोड की हालात खराब

पूर्व मंत्री कोठारी ने कमिश्नर भट्ट के समक्ष नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कभी सड़कों पर पैदल चल कर देखिए। आम जनता को कितनी परेशानी होती है। नौलाई पुरा की सड़क पर प्रतिदिन पैदल घूमता हूं। आज तक वह रोड सही नहीं हुई। शहर में कई स्थानों पर बनी सीमेंट क्रांकीट की रोड की हालात खराब है। मैं यहां जनता की तरफ से आया हूं। हमारा किसी से कोई झगड़ा नहीं है। जनता का पैसा लग रहा है तो सदुपयोग होना चाहिए।

सरस्वती शिशु मंदिर पर नवनिर्मित तीन कमरों का हुआ लोकार्पण

सहप्रांत प्रमुख मालवा प्रांत ने फीता काटकर किया लोकार्पण

जावरा। कश्मीरी गली स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में नवनिर्मित तीन कक्षों का लोकार्पण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सुंदरलाल शर्मा (सह प्रांत प्रमुख, मालवा प्रांत, उज्जैन) विशेष अतिथि शेखर नाहर, विशेष अतिथि भूपेंद्र डांगी एवं अध्यक्ष महेंद्र भगत (विभाग समन्वयक, उज्जैन) के द्वारा नवीन कक्षों का फीता काटकर लोकार्पण किया।

अतिथियों ने कक्षा प्रथम में अध्ययनरत बहिन के पद चिन्हों के साथ नवीन कक्षा में प्रवेश किया और भगवान श्रीराम के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद नवीन कक्षा में ही नौ कन्याओं का पूजन कर, भोजन करवाया गया। अतिथियों से परिचय विवेक भारती शिक्षण समिति के सचिव तन्मय सोनी ने करवाया। विवेक भारती शिक्षण समिति के अध्यक्ष अजीत चत्तर ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की।

शिशु मंदिर के आधार स्तम्भों का किया सम्मान

समिति के वरिष्ठ परामर्शदाता जिन्होंने सन् 1983 में सरस्वती शिशु मंदिर का बीजा रोपण किया जो आज एक वटवृक्ष की तरह जावरा में आज हजारों भैया-बहनों को शिक्षा के साथ संस्कारवान और एक आदर्श नागरिक बनाने का कार्य कर रहा है। ऐसे सरस्वती शिशु मंदिर के आधार स्तंभ बाबूलाल नाहर, सुरेश मेहता, अनिल पावेचा एवं कानसिंह चौहान का वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी समिति के द्वारा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया।

संस्कारो के साथ संस्कृति को बढ़ावा देने शुरु की संस्था

सुरेश मेहता ने बताया कि सन् 1981 में एक विचार आया कि एक ऐसी संस्था जो भैया-बहनों को शिक्षा के साथ संस्कारों और हमारी संस्कृति का भी ज्ञान दे, जावरा में होनी चाहिए। परमात्मा की कृपा से सन् 1983 में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना हुई जो आज एक वट वृक्ष की तरह बढ़ता ही जा रहा है। विभाग समन्वयक महेंद्र भगत ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर के भैया-बहिन विभिन्न प्रशासनिक सेवाओं में अनुशासन और एक आदर्श प्रस्तुत करते हुए, कार्य कर रहे हैं।

प्रत्येक जिले में स्थापित हैं शिशु मंदिर

सह प्रांत प्रमुख सुंदरलाल शर्मा ने बताया कि आज देश के प्रत्येक जिले में सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित है, जो देश को आगे बढ़ाने वाले भैया-बहनों को तैयार कर रहे हैं। आज शिशु मंदिर से निकले हजारों भैया-बहिन सैनिक, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, नेता, सामाजिक कार्यकर्ता बनकर समाज और देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं और आज वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर की नींव रखने वाले वरिष्ठ सदस्यों का जो सम्मान किया गया है, यह सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कारों का परिचय देता है और यही सरस्वती शिशु मंदिर की पहचान है। कार्यक्रम में राधेश्याम पोरवाल, शीतल चौरड़िया, रमिला पाटीदार, नीलम बरैया, रेणुबाला शर्मा, कुसुम शर्मा दीदी, शिवेंद्र माथुर एवं गणमान्य नागरिको की गरिमामय उपस्थिति रही। संचालन विवेक भारती शिक्षण समिति के सहसचिव लोकेश शर्मा ने किया। आभार प्रधानाचार्य शीला सोन ने माना।

इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर सुंदर काण्ड व भजन संध्या आयोजित हुई

मन्दसौर । नववर्ष के अवसर पर स्थानीय कालाखेत रोड नं.3 स्थित श्री इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर गायक योगेश गोविन्दानी के मुखारविंद से भव्य संगीतमय सुंदरकाण्ड व भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तजनों ने सुंदरकाण्ड व भजनों का लाभ लिया एवं सभी के द्वारा महाआरती की। इस अवसर पर श्यामलाल बैरागी, अजय बैरागी, किशोर माली, कुलदीप खेत्रा, मयंक सोनी, गोपाल ग्वाला आदि भक्तों ने उपस्थित रहकर धर्मलाभ लिया।

रासेयो शिविर के तहत शिविरार्थियों ने रोपे पौधे

कालूखेड़ा। शासकीय महाविद्यालय कालूखेड़ा की एनएसएस इकाई के विशेष शिविर में एनएसएस अधिकारी चेतन देवड़ा के नेतृत्व में तृतीय दिवस स्वयंसेवको द्वारा ग्राम शंकरखेड़ी के प्राथमिक शाला परिसर एवं मुक्तिधाम में पौधारोपण किया गया। बौद्धिक गतिविधियों के अंतर्गत डॉ. अर्चना पांडे द्वारा भाषा ज्ञान एवं उच्चारण संबंधित जानकारियां दी गई। स्वयंसेवको द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गये, जिसमें कबीर के दोहे, कविता पाठ एवं लोक गीत गायन इत्यादि। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विजय कुमार दीक्षित द्वारा विद्यार्थियों को परेड की जानकारी देते हुए अन्य खेल गतिविधियां करवाई।

शहीद नरेन्द्रसिंह शिक्षा महाविद्यालय में नवाचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन

जावरा। शहीद नरेन्द्रसिंह शिक्षा महाविद्यालय जावरा में 'शिक्षा में नवाचार' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें शासकीय भगतसिंह स्नाकोत्तर महाविद्यालय जावरा के प्राध्यापक डॉ.एस.के. चौरसिया (एचओडी, अंग्रेजी विभाग) ने प्रशिक्षणार्थियों व उपस्थित व्याख्याताओं को नवाचार व सृजनात्मक सोच के महत्व पर व्याख्यान एवं संवाद किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महेश कुमार शर्मा ने ज्ञान व कौशल के आधार पर गतिविधियों पर अपने विचार व्यक्त कर शिक्षकों को शिक्षा

में नवाचार का महत्व बताया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के बी.एड. एवं डी.एल.एड. के प्रशिक्षणार्थी व समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता संजय कुमार त्रिपाठी ने किया व आभार पंकज पांचाल ने माना। इस अवसर पर हेमन्त भट्ट, मधु शर्मा, सुषमा त्रिपाठी, मुस्कान चौहान आदि उपस्थित रहें।

ट्रैफिक पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

तत्परता से कार्रवाई कर नशे में धुत बलगर चालक को पकड़ा

जावरा। यातायात पुलिस जावरा की सजगता और सक्रियता से बीती रात एक बड़ी सड़क दुर्घटना होते-होते बच गई। पुलिस ने तत्काल नाकाबंदी कर नशे में धुत होकर अंधगति से बलगर दौड़ा रहे चालक को धरदबोचा। पुलिस ने चालक के खिलाफ कार्रवाई कर वाहन को जब्त कर लिया। नागरिकों ने ट्रैफिक पुलिस की सूझबूझ की प्रशंसा की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार एसपी अमित कुमार के निर्देशन व सीएसपी दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी सोनु वाजपेई अमले के साथ मंगलवार की रात्रि लगभग 8 बजे चौपाटी क्षेत्र में वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान उन्हें मोबाईल पर किसी से सूचना मिली कि मंदसौर की ओर से एक सीमेंट से भरा बलगर जावरा की तरफ आ

रहा है। जिसे चालक लहराते हुए तेज गति से चला रहा है। इसके चलते रास्ते में कई जगह दुर्घटना हो सकती थी। इस पर यातायात महकमा अलर्ट हो गया। जैसे ही बलगर क्रमांक आर जे 09 जीसी 7157 चौपाटी पर पहुंचा, पुलिस ने उसे रुकवाया और ट्रैफिक के प्रधान आरक्षक राहुल राठौर ने ड्राइवर को बलगर से नीचे उतरने को कहा। लेकिन चालक ने चालाकी दिखाते हुए उतरने का बहाना बनाया और वाहन को तेजगति से भगा ले गया। पुलिस ने रतलामी नाके पर वाहनों की रफ्तार कम करने हेतु लगाए स्टॉपर को भी डंपर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उड़ा दिए। इसके बाद आनन फानन में पुलिस ने उसे रोकने के लिए रतलाम रोड़ पर सगस बावजी के मन्दिर के नजदीक तगड़ी नाकाबंदी की। यहां एक तरफ का ट्रैफिक पूरी तरह रोकना पड़ा। तब जाकर बलगर चालक पकड़ में आया। मौके पर ही पुलिस ने उसकी ब्रेथ एनालाइजर से जांच की तो पाया कि वह बहुत अधिक मात्रा में शराब पिए हुए है। पुलिस ने बताया कि चालक इस कदर नशे में चूर था कि चलने में उसके कदम लड़खड़ा रहे थे और बोलने में जबान, आखिरकार पुलिस ने चालक प्रभु गुर्जर के विरुद्ध कार्रवाई कर वाहन को जब्त कर लिया। क्षेत्र के लोगों ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा की गई तात्कालिक कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस तुरन्त हरकत में नहीं आती तो बड़ी घटना हो सकती थी।

ग्राम खण्डेरिया मारू में भूमि आपत्ति हेतु आवेदन 16 जनवरी तक प्रस्तुत करें

मंदसौर । तहसीलदार मंदसौर ने बताया कि मुख्य चिकित्या एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा ग्राम खण्डेरिया मारू तहसील मंदसौर स्थित भूमि सर्वे नम्बर 15 रकबा 11.3400 हेक्टेयर भूमि पर उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति पटवारी ग्राम खण्डेरिया मारू अथवा न्यायालय तहसीलदार तहसील मंदसौर (ग्रामीण) में 16 जनवरी 2025 तक दर्ज करा सकते है । नियत समयावधि के उपरांत प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

बड़ी हुई दर में पुनर्निरीक्षित न्यूनतम वेतन देने की मांग की, सीटू ने श्रमायुक्त को सौंपा ज्ञापन

मन्दसौर । म.प्र. दैनिक वेतन भोगी कार्यभारित गैंगमेन एकता यूनियन (सीटू) जिला मंदसौर इकाई द्वारा श्रमायुक्त को ज्ञापन देकर बड़ी हुई दर में पुनः निरीक्षित न्यूनतम वेतन देने की मांग की गई । ज्ञापन में कहा कि 10 वर्षों के पश्चात पुनर निरीक्षित वेतन न्यूनतम वेतन मजदूरों को अप्रैल 2024 से लागू हुआ था किंतु चंद उद्योगपतियों द्वारा मध्यप्रदेश सरकार की उदासीनता के चलते, स्टे लेने के पश्चात वेतन लागू नहीं हो सका है । ज्ञापन का वाचन जिला महासचिव बालूसिंह ने किया। इस अवसर पर तुलसीराम, हेमन्त सुकलिया, सतीश कोडावत, राकेश ठाकुर, जसवंतसिंह राठौड़, दीपक कहार, धर्मेन्द्र डोडिया, बंटी पडईपंती, पोखर, आदि उपस्थित थे।

सीरत कपूर 2025 के लिए तैयार

अभिनेत्री सीरत कपूर अपने 2025 के बारे में कहती हैं, +2024 व्यक्तिगत और पेशेवर तौर पर आंखें खोलने वाला था, लेकिन 2025 अंतर्ज्ञान, फोकस, स्पष्टता, आत्म-प्रेम, यात्रा और मेरी आत्मा के मूल मूल्यों और प्राथमिकताओं के अनुसार महान काम के अवसरों का हैजैसे ही नया साल शुरू हुआ, अभिनेत्री सीरत कपूर ने पिछले साल पर विचार करते हुए अपनी आगामी योजनाओं को साझा किया। अपनी प्रतिभा, दृढ़ता और गरिमा के लिए जानी जाने वाली सीरत ने 2024 में मिले अनुभवों और अवसरों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। हालांकि, वह अपनी उपलब्धियों पर रुकने वाली नहीं हैं।

मैंने कई तरह की चीजें हासिल कीं

सिमरन कौर, जो वर्तमान में प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह द्वारा अपने बैनर स्टूडियो एलएसडी के तहत निर्मित जमाई नंबर 1 में रिद्धि चोटवानी के रूप में दिखाई दे रही हैं, कहती हैं कि 2024 उनके लिए एक अच्छा साल रहा है, और उन्हें उम्मीद है कि 2025 पिछले साल से बेहतर होगा।उन्होंने कहा, +2024 में मैंने कई तरह की चीजें हासिल कीं। मैंने दंगल में तोसे नैना मिलाइके किया, जो सुपरहिट रहा और लगभग 500 एपिसोड पूरे किए। मेरे किरदार को बहुत सराहना मिली, एक अनूठा प्रशंसक आधार था, और यह एक अद्भुत अनुभव था।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ वेकेशन पर तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच ऐसी खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ रोमांटिक वेकेशन पर गई हुई हैं। उन्होंने अपने वेकेशन की कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। तृप्ति के साथ इन फोटोज में एक शख्स नजर आ रहा है। जिसको देखकर सोशल मीडिया यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि फोटो में दिख रहा शख्स एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट हैं। तृप्ति डिमरी फिनलैंड में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटोज और वीडियोज शेयर करते हुए लिखा- 'आज का दिन मेरी जिंदगी के सबसे हैप्पी चैप्टर में से एक है।'

फिल्म के इंटिमेट सीन पर पेरेंट्स थे चिंतित

रिचा चड्ढा और अली फजल की पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में कुछ इंटिमेट सीन भी हैं, जो ऑडियंस का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। फिल्म की लीड एक्ट्रेस प्रीति पाणिग्रही ने बताया कि शुरुआत में उनके पेरेंट्स इन सीन को लेकर थोड़े चिंतित थे। हालांकि, जब उन्होंने फिल्म स्क्रीन पर देखी, तो वे पूरी तरह से खुश हो गए। प्रीती कहती हैं, जब मैंने अपने माता-पिता को फिल्म के इंटिमेट सीन के बारे में बताया, तो शुरुआत में वे थोड़ा चिंतित थे। पापा ने मुझसे पूछा - तुम्हें सब कुछ पहले से पता था ना? कहीं ऐसा तो नहीं कि बाद में कुछ और बताया जाएगा? मैंने उन्हें समझाया कि ये सीन मेरे नहीं, बल्कि मेरे किरदार के हिस्से हैं।

धमाकेदार कहानियों का तड़का

इश्क़ जबरिया - सन नियो

रोमांटिक ड्रामा है जो प्यार, सपनों और साहस की कहानी है। काम्या पंजाबी, सिद्धि शर्मा और लक्ष्य खुराना जैसे दमदार कलाकार शामिल हैं।

मैं दिल तुम धड़कन - शेमारू उमंग

एक अकेली माँ और उसके बच्चे के बीच गहराते रिश्ते की खूबसूरती को दर्शाती है।

10 29 की आखिरी दस्तक - स्टार भारत

रोमांचक शो है, राजवीर सिंह ने एक निडर पुलिस अधिकारी का रोल निभाया है।

उड़ने की आशा - स्टार प्लस

दिल छूने वाली कहानी है, जिसमें परी भट्टी, मनीष वर्मा और ममता के साथ एक खास सफर दिखाया गया है।

दुर्गा - कलर्स

युवा लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए अपनी पहचान बना रही है।

बड़े जिलों की अध्यक्षी होल्ड

डेट लाइन बीती...नहीं बना समन्वय

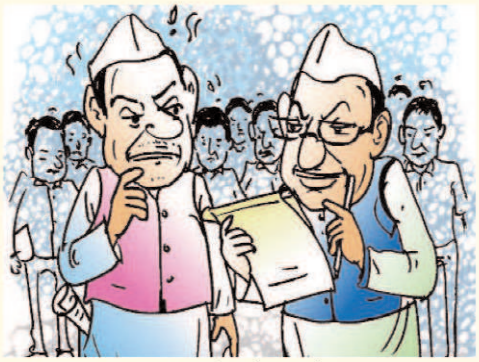

इंदौर। मप्र भाजपा में जिलाध्यक्षों के चुनाव की डेट लाइन बीत गई, लेकिन राजधानी भोपाल समेत बड़े जिलों के अध्यक्षों के नाम पर समन्वय नहीं बन पाया है। इस कारण भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, सतना जैसे बड़े शहरों में जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा होल्ड कर दी गई है। भाजपा सूत्रों का कहना है संभवत- प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही अब बड़े जिलों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा होगी।

जानकारों का कहना है कि पार्टी का फोकस है कि पांच से दस जनवरी के बीच 40 जिलों के अध्यक्षों के नाम का ऐलान हो जाएगा, ताकि प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन समय पर हो सके। पार्टी के संविधान के अनुसार आधे से अधिक जिलों के जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है।

गौरतलब है की पार्टी ने संगठन चुनाव को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया था कि नेता आपस में समन्वय बनाकर पदाधिकारियों का चयन करें। लेकिन पहले मंडल अध्यक्ष और अब जिलाध्यक्षों के चुनाव में नेताओं के बीच समन्वय नहीं बन पा रहा है। भाजपा के संगठन पर्व के अन्तर्गत संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया में जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर बड़े शहरों सहित करीब एक दर्जन जिला अध्यक्ष के नाम को लेकर सांसद, विधायक और संगठन नेताओं में रार ठन गई है। प्रदेश भाजपा को 31 दिसम्बर तक जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा करना था।

लेकिन जिला अध्यक्ष के चयन में आपसी गुटबाजी के चलते दिसम्बर माह के खत्म होने तक किसी भी जिला अध्यक्ष का नाम घोषित नहीं किया गया। अब जिला अध्यक्ष के नाम का ऐलान नए साल में ही हो सकेगा। माना जा रहा है कि 2 जनवरी को प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के भोपाल प्रवास के बाद ही कुछ नामों की घोषणा हो सकती है।

40 जिलाध्यक्षों के नाम की होगी घोषणा

माना जा रहा है कि पांच से दस जनवरी के बीच 40 जिलों के अध्यक्षों के नाम का ऐलान हो जाएगा, ताकि प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन समय पर हो सके। पार्टी के संविधान के अनुसार आधे से अधिक जिलों के जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है। जिला अध्यक्ष के पद को लेकर मची खींचतान में अधिकाश बड़े शहरों के नाम है। सूत्रों की मानें तो फिलहाल पार्टी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, सतना जैसे बड़े शहरों में जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा बाद में करेगी।

जिला अध्यक्ष के नाम को लेकर दिल्ली में हुई बैठक के बाद आलाकमान ने गेंद एक बार फिर प्रदेश नेतृत्व के पाले में डाल दी है। आलाकमान का कहना है कि पहले प्रदेश नेतृत्व इन नामों को लेकर रायशुमारी करे और एक नाम पर सहमति के प्रयास करें। बेहद जरूरी होने पर ही तीन नाम का पैनल बनाकर दिल्ली भेजे, जिस पर आलाकमान निर्णय करके नाम को फाइनल करेगा।

तीन से चार सूची में नामों का ऐलान

भाजपा जिला अध्यक्ष के नाम का ऐलान तीन से चार सूची में करेगी। इसके लिए पार्टी पहले उन जिलों का चयन कर रही है जहां सांसद, विधायक एवं वरिष्ठ नेताओं ने एक ही नाम को लेकर अपनी सहमति दे दी है।

भाजपा जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर जो गहमागहमी है उसमें कई जिलों में पुराने जिला अध्यक्षों को मौका मिल सकता है। इसके लिए पार्टी ने उन जिला अध्यक्षों के नाम का चयन किया है जिन्हें यह पद संभाले ज्यादा समय नहीं हुआ है। साथ ही जिनकी आयु अभी 60 वर्ष भी नहीं हुई है। इसके अलावा जो नए जिले बने हैं उनके जिला अध्यक्षों को भी अवसर मिल सकता है क्योंकि उनके कार्यकाल को अभी एक या डेढ़ वर्ष ही हुआ है। इसके बाद दूसरे नंबर पर वह जिला अध्यक्ष हैं जिन्होंने पिछले विधानसभा, लोकसभा चुनाव में पार्टी संगठन की मंशा अनुरूप काम करते हुए पार्टी को मजबूती दिलाई है। जिसमें वह सीट भी शामिल रही है जिनको लेकर पार्टी में संशय की स्थिति थी।

कांग्रेस से नेताओं नहीं मिलेगी जिले की कमान!

पार्टी नए-पुराने कार्यकर्ताओं के साथ समरसता का दावा करती है लेकिन संगठन चुनाव में अलग ही तस्वीर सामने आ रही है। सरकार बनाने की गरज में लिए गए फैसलों पर मौन रहने वाले नेता और समर्थक अब संगठन में नियुक्ति पर किसी दलील को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं।

ऐसे में विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में दलबदल कर आप नेताओं का जिला अध्यक्ष पद पाना मुश्किल नजर आ रहा है। पार्टी ने जिला अध्यक्ष के लिए जो क्राइटेरिया तय किया है उसमें दो बार कार्यसमिति सदस्य होना जरूरी है। ऐसे में जो लोग दूसरे दल से आए हैं उनके जिला अध्यक्ष बनने की संभावना नजर नहीं आ रही है। हालांकि दूसरे दल से आए कई बड़े नेता अपने समर्थक को जिला अध्यक्ष बनवाने के प्रयास में लगे है।

इसको लेकर भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है और बगावत के सूर उठना शुरू हो गए है। जिन नेताओं के नाम रायशुमारी में शामिल किए गए हैं। वह अब प्रदेश कार्यालय के चक्कर लगा रहे है। कुछ प्रदेश नेतृत्व से मिल कर अपने नाम को फाइनल कराने के प्रयास में भी लगे है। कई नेता तो प्रदेश संगठन से मिलकर अपने समर्थकों के नाम की पैरवी करने में लगे हैं।

प्राधिकरण, निगम मंडलों में नियुक्तियों के साथ मोहन मंत्रिमंडल में होगा फेरबदल भी

इंदौर। मोहन सरकार के गठन को तो एक साल का समय पिछले ही दिनों पूरा हुआ है और अब सत्ता में भागीदारी को लेकर तमाम भाजपा के नेता-कार्यकर्ता कतार में खड़े हैं। दरअसल, लम्बे समय से निगम, मंडल, प्राधिकरणों की नियुक्तियां अटकी हुई है। पहले विधानसभा चुनाव, फिर लोकसभा और फिर संगठनात्मक प्रक्रियाओं के चलते ये नियुक्तियां टाली जाती रही।

जनवरी में संगठन की नियुक्तियों के बाद सत्ता में मिलेगी भागीदारी, नगर, जिले के साथ प्रदेश अध्यक्ष के लिए फिलहाल चल रहा है मंथन, फरवरी में होंगी राजनीतिक नियुक्तियां

मगर सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिमंडल में फेरबदल के साथ-साथ इन राजनीतिक नियुक्तियों की मंजूरी भी वरिष्ठ नेताओं से प्राप्त कर ली है और अभी नगर, जिला तथा प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है, जो 15 जनवरी तक पूरी हो जाएगी और उसके बाद फिर फरवरी में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो सकता है और इसी के साथ मंत्रिमंडल में भी कुछ विभागों के परिवर्तन के साथ कुछ नए चेहरों को भी मौका मिल सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक साल सफल रहा, जिसमें उनके कई प्रयोगों ने शासन-प्रशासन को मजबूती दी, तो साथ ही विकास कार्यों को भी गति मिली है। रीजनल इन्वेस्टमेंट समिट के भी परिणाम अच्छे निकले और अब फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का बड़ा आयोजन भी होने जा रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपनी सहमति दे दी है। सत्ता और संगठन के बीच तालमेल भी फिलहाल बेहतर है। हालांकि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों और पदाधिकारियों से लेकर सांसद, विधायकों और अन्य की नाराजगी भी गाहे-बगाहे सामने आती रही है। मगर चूंकि भाजपा में संगठन अत्यंत मजबूत और ताकतवर है, जिसके चलते अनुशासन कायम रहता है। सदस्यता अभियान सहित पार्टी की तमाम गतिविधियों के बीच अब संगठन चुनाव की प्रक्रियालगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। बूथ, मंडल के चुनाव के पश्चात अब जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष की रायशुमारी का काम भी पूरा हो चुका है। वहीं प्रदेश भाजपा को नया अध्यक्ष भी मिलना है। इस दौड़ में भी कई दिग्गज शामिल है। अब यह तो दिल्ली दरबार से ही तय होगा कि प्रदेश भाजपा की कमान किसके हाथ में सौंपी जाए।

कुछ मंत्रियों की होगी छुट्टी

दूसरी तरफ सूत्रों का यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली दरबार को इस बात के लिए भी राजी कर लिया है कि वे कुछ मंत्रियों की छुट्टी करें और कुछ के विभागों में परिवर्तन किया जाए। दरअसल, पूरा एक साल बीत गया है, जिसमें कुछ मंत्रियों की कार्यशैली तो अच्छी रही, मगर कुछ उम्मीद के मुताबिक अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए हैं, जिसके चलते मंत्रिमंडल में फेरबदल भी संभावित है और कुछ नए मंत्रियों को भी शामिल किया जा सकता है, तो दूसरी तरफ कुछ विभाग भी बदले जा सकते हैं। संभवतः फरवरी तक निगम, मंडल, प्राधिकरणों के साथ-साथ मंत्रिमंडल के फेरबदल की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी।

पैर छूने वालों की नहीं होगी सुनवाई

केंद्रीय मंत्री का अजब-गजब फरमान, ऑफिस और घर में चस्पा किया नोटिस

इंदौर। केंद्रीय मंत्री और टीकमगढ़ से सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक ने एक अजब गजब फरमान जारी किया है। जिसमें उन्होंने पैर छूने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी है। इसको लेकर उन्होंने अपने ऑफिस और घर में दो नोटिस भी चस्पा कर दिए है। केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार खटीक ने पैर पडने की पुरानी परंपरा को खत्म कर दिया है। सांसद ने समर्थकों द्वारा पैर पडने को लेकर नाराजगी जताई है। साथ ही उन्होंने पैर छूने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि जनता के द्वारा ही यह कुर्सी मिली है। फिर कैसा छोटा बड़ा सभी समान है।

पैर पडना सख्त मना है

डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक ने इसे लेकर अपने ऑफिस और घर की दीवार पर एक नोटिस भी चस्पा कर दिया है। जिसमें लिखा है कि पैर पडना सख्त मना है। जबकि दूसरे पर्चे में लिखा है जिसने पैर छुए उसके काम की सुनवाई नहीं की जाएगी। वीरेंद्र कुमार खटीक आज तक कोई भी चुनाव नहीं हारे हैं। साल 1996 में सागर लोकसभा सीट से पहली बार सांसद बने। तब से लेकर अब तक जीत का सिलसिला जारी है। साल 2009, परिसीमन के बाद टीकमगढ़ सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया था। वीरेंद्र कुमार ने भी अपनी सीट बदली और सागर की जगह टीकमगढ़ से चुनाव लड़ा और जीत भी हासिल की। वहीं साल 2024 के लोकसभा चुनाव में वे छठवीं बार सांसद बने। वे वर्तमान में मोदी सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com